जन सम्पर्क कार्यालय,
उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर।
दिनांक : 20.06.2019

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>
(सं. 2019–20/135)

<u>मानसून के दौरान ट्रेक की सुरक्षा के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे ने किये इंतजाम</u>

<u>रेलखण्डो पर वर्षा के दौरान रखी जा रही है विशेष निगरानी</u>

बारिश का मौसम आमजन के साथ–साथ रेल संचालन के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। कई स्थानों पर अत्याधिक बारिश होने से रेल पटरियों के नीचे कटाव हो जाता है तथा रेल संचालन बाधित होता है, ऐसी स्थितियों को ध्यान में रखकर रेलवे द्वारा बारिश के मौसम में विशेष प्रबंध किये जाते है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री अभय शर्मा के अनुसार उत्तर पश्चिम रेल पर जून माह में ही चारों मण्डलों को अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश प्रदान किये गये है। जिन रेलखण्डों पर पूर्व वर्षों के अनुमान के आधार पर अत्यधिक बारिश की संभावना होती है अथवा मौसम विभाग द्वारा कोई आंधी, तेज हवा या भारी वर्षा की चेतावनी जारी की जाती है ऐसे स्थानों पर सघन निगरानी के लिये निर्देश जारी किये गये है। मौसम संबंधी सूचना/चेतावनी प्राप्त होने पर स्टेशन मास्टर तत्काल ही संबंधित सहायक इंजीनियर, वरि. सेक्शन इंजीनियर या मेट को सूचित करेगा और तुरंत प्रभाव से रेलवे ट्रेक की निगरानी करने और सतर्क रहने के लिये गैंगमेन को निर्देशित किया जायेगा।

पैट्रोलमैन द्वारा रेलवे लाइन, पुलों इत्यादि पर सघन पैट्रोलिंग करने के लिये निर्देशित किया गया है तथा उनके लिये गश्त चार्ट व गश्त पुस्तकें बनाई गई है। किसी भी कठिन परिस्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त ट्रेक अनुरक्षण की सामग्री उपलब्ध करवाई गई है। बारिश की अधिकता वाले स्थानों पर कटाव की स्थिति से निपटने के लिये मिट्टी से भरे कट्टे, रोडी इत्यादि की पर्याप्त व्यवस्था की जाती है ताकि ट्रेक के नीचे मिट्टी के कटाव होने पर तुरंत ठीक कर रेल संचालन को सुचारू किया जा सके।

मानसून से पूर्व ही रेलवे द्वारा विशेष कार्य किये जा रहे है, जिसमें ट्रेक के आस–पास पानी भरने वाले स्थानों तथा रेलवे पुलों के नीचे पानी निकास वाले स्थानों को यथाशीघ्र क्लीयर करना, रेलवे सम्बंधी जो भी अनुरक्षण कार्य है, उनकों पूर्ण करना, पानी भरने वाले स्थानों पर गेज मार्किंग करना, पुलों के नीचे पानी निकास के स्थानों का अनुरक्षण व नियमित निरीक्षण, ट्रेक के आस–पास लगे वृक्षों की कटाई व छटाई ताकि वह किसी भी प्रकार से दृश्यता को प्रभावित न कर सके।

वरि. जन सम्पर्क अधिकरी
उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर

नोटः– उत्तर पश्चिम रेलवे का आप फेसबुक एवं ट्वीटर पेज /NWRailways पर भी अवलोकन कर सकते है।